महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रयासों से महिलाओं व बच्चों के जीवन में आये सकारात्मक परिवर्तनों पर आधारित कहानियों का रेडियो चैनलों पर प्रसारण

महिला एवं बाल विकास विभाग, उत्तर प्रदेश महिलाओं एवं बच्चों की बेहतरी के लिए लगातार प्रयासरत है, इन प्रयासों में एक कोशिश सरकार की तमाम लाभकारी योजनाओं को जरूरतमंदों तक पहुंचाने की भी है। मौजूदा प्रदेश सरकार की तमाम ऐसी योजनायें हैं, जो जरूरतमंद महिलाओं एवं बच्चों के लिए शुरू की गई हैं। उन योजनाओं की जानकारी हर वर्ग तक पहुंच सके, इसके लिए विभाग के द्वारा सहातया प्राप्त महिलाओं एवं बच्चों के जीवन में आये सकारात्मक परिवर्तनों पर कहानी तैयार करायी गयी हैं, जिसका आज रेडियो चैनलों पर प्रसारण का शुभारम्भ हो रहा है। उक्त कहानियों का नाम ''उजाले की ओर'' रखा गया है। इन कहानियों में विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं यथा– आपकी सखी–आशा ज्योति केन्द्र, उ0प्र0 रानी लक्ष्मीबाई महिला एवं बाल सम्मान कोष, 181 महिला हेल्पलाईन, 1098 चाइल्ड लाईन आदि से जुड़े अनुभवों को कलात्मक ढंग से कहानी का रूप दिया गया है। कहानियों को आवाज श्री नीलेश मिश्रा, गॉव कनेक्शन फाउण्डेशन के द्वारा दी गयी है।

इन कहानियों में महिलाओं एवं बच्चों के द्वारा उनके संघर्ष की सच्ची गाथा है। ये वे महिलायें व बच्चे हैं, जिन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग से सहायता पाकर जिन्दगी के कठिन समय में भी अपने आत्मसम्मान की रक्षा करते हुए हालात का डटकर मुकाबला किया और विजयी हुए।

इस कहानी संग्रह ''उजाले की ओर'' के जरिए आम लोगों को बताकर जागरूक करने का एक अनूठा प्रयास है कि यदि इस प्रकार की परेशानियों सें समाज की अन्य महिलायें एवं बच्चे पीड़ित हैं तो वे विभाग से किस प्रकार सहायता प्राप्त कर सकते हैं, इसकी जानकारी दी गयी है। इन कहानियों में दहेज उत्पीड़न, बाल श्रम, बाल विवाह, शारीरिक एवं मानसिक शोषण, घरेलू हिंसा, यौन शोषण, मानव तस्करी, नशा उन्मूलन, बाल अधिकार, एसिड अटैक जैसे अन्य महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील विषयों पर सच्चे अनुभवों के आधार पर कहानियों के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

ये कहानियॉ सप्ताह में दो दिन रेडियो चैनलों पर प्रसारित की जायेंगी, जिसकी अवधि लगभग 7 से 8 मिनट है और कहानियों में किसी न किसी विषय विशेषज्ञ के द्वारा रायसुमारी भी की गयी है। कहानियों के अंत में मा0 मंत्री, महिला एवं बाल विकास विभाग प्रो0 रीता बहुगुणा जोशी जी के द्वारा आम जनता के लिए संदेश भी दिया गया है।

आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि विभाग का यह प्रयास दूरदराज इलाकों में रहने वाली महिलाओं एवं बच्चों को सशक्त बनाने में एक बेहतर एवं कारगर कदम सिद्ध होगा तथा ऐसी महिलायें एवं बच्चे मुश्किल हालात के अंधेरे से निकलकर उजाले की रोशनी में बेहतर जीवन व्यतीत करने में सफल होंगे।

———————